मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
बिहार सरकार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या—cm-268
31/05/2025

मुख्यमंत्री ने नालंदा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल परिसर में राजकीय तिब्बी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का किया कार्यारंभ

पटना, 31 मई, 2025 :— मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज नालंदा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल परिसर में 264 करोड़ रुपये की लागत से 200 बेड वाले राजकीय तिब्बी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर कार्यारंभ किया। राजकीय तिब्बी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का निर्माण 10 एकड़ में किया जा रहा है। अधिकारियों ने मास्टर प्लान के माध्यम से मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य कराए जानेवाले विभिन्न भागों ब्वायज हॉस्टल, गर्ल्स हॉस्टल, पी0जी0 इंटर्न हॉस्टल, प्रिंसिपल, मेडिकल सुपरिटेंडेंट आदि के निर्माण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कार्यारंभ के पश्चात् परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजकीय तिब्बी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का निर्माण कार्य तेजी से एवं अच्छे ढंग से कराएं। राज्य के हर नागरिक को सुलभ, सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। बिहार की भूमि का यूनानी से हमेशा गहरा नाता रहा है, इसलिए राज्य सरकार यूनानी चिकित्सा पद्धति को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। राज्य के आम—जन को आयुर्वेदिक, होमियोपैथी, युनानी जैसी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

ज्ञातव्य है कि 22 नवंबर 2021 को मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा राजकीय तिब्बी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल का भ्रमण किया गया था। उस समय इसके भवन की स्थिति अच्छी नहीं थी। इसलिए मुख्यमंत्री द्वारा पटना में दूसरी जगह जमीन चिन्हित कर इसका विस्तार करते हुए नये एवं अच्छे भवन के निर्माण का निर्देश दिया गया था। इसके लिए नालन्दा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर के बगल में 10 एकड़ जमीन चिन्हित की गयी है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद राजकीय तिब्बी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल को अपने पुराने परिसर से स्थानान्तरित कर नये भवन में शिफ्ट कर दिया जायेगा।

इस परियोजना के अंतर्गत 200 बेड के अस्पताल, 500 क्षमता वाले सभागार, 400 क्षमता वाले बालक छात्रावास एवं 350 क्षमता वाले बालिका छात्रावास, औषधि निर्माण गृह तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं अन्य कर्मियों के लिए आवास का प्रावधान किया गया है। इस चिकित्सा महाविद्यालय में छात्रों का नामांकन 150 प्रतिवर्ष रखा गया है। निर्माणाधीन सभी भवनों में भूकम्परोधी संरचना, सोलर लाईट तथा वर्षा जल संचयन प्रणाली स्थापित की गयी है। महाविद्यालय एवं अस्पताल का भवन वातानुकूलित होगा। इस योजना के 30 माह में पूर्ण होने की संभावना है।

प्राचीन चिकित्सा विधा में विश्व स्तर पर यूनानी का महत्वपूर्ण योगदान हैं। यूनानी चिकित्सा केवल रोग का उपचार नहीं करती बल्कि यह चिकित्सा पद्धति व्यक्ति की संपूर्ण प्रकृति—शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर आधारित है। यूनानी चिकित्सा पद्धति न केवल उपचार देती है, बल्कि जीवनशैली, आहार, प्राकृतिक चिकित्सा और हकीमी दवाओं के माध्यम से व्यक्ति को स्वस्थ बनाए रखने पर भी बल देती है।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री नंद किशोर यादव, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डे, पटना की महापौर श्रीमती सीता साहू, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, जिलाधिकारी डॉ0 चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री अवकाश कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

******